[निजी प्रसार के लिए]

अंक २८ नई दिल्ली, जून २०१२

# लोक पुलिस

मासिक पत्रिका

सी.एच.आर.आई. जनतांत्रिक पुलिस के लिए

## 'पुलिस जन का कार्य और आचरण जनता को भी निष्पक्ष प्रतीत होना चाहिए'

श्री अम्ब्रीश चन्द्र शर्मा

**उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डी.जी.पी) श्री अम्ब्रीश चन्द्र शर्मा से पुलिसिंग सम्बन्धी कुछ मुद्दों पर जीनत मलिक द्वारा ई–मेल के माध्यम से लिया गया साक्षात्कार।**

**सर, पुलिस का नेतृत्व संभालने के बाद से वर्तमान समय तक पुलिस प्रशासन और पुलिसिंग को बेहतर बनाने के लिये आपकी क्या प्राथमिकताएं हैं ?**

मेरे द्वारा दिनांक १६-३-२०१२ को पुलिस महानिदेशक, उ.प्र. का पदभार ग्रहण किया गया। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत मेरे द्वारा स्पष्ट निर्देश दिये गये कि अपराधों का शत्–प्रतिशत् पंजीकरण हो, आंकड़ों में अपराध कम करने की अपेक्षा वास्तव में अपराध नियंत्रण किया जाय। यदि कहीं अपराध हो गया है तो उसका सही अनावरण किया जाये तथा अपराधी के विरुद्ध तत्काल नियमानुसार प्रभावी कार्यवाही की जाय। पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से जुड़ी हुयी समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाय । अपराधिक तत्वों से सांठगॉठ रखने वाले पुलिस कर्मियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही की जाये जिससे जनता में पुलिस के आचरण की शुचिता का स्पष्ट संदेश जाये। अभियान चलाकर अवैध वसूली पर पूर्ण अंकुश लगाया जाये। थानों को अवांछनीय तत्वों से पूर्णतः मुक्त कराया जाये।

**अपने २-३ महीनों के कार्यकाल के दौरान क्या आपने पुलिसिंग व्यवस्था में कोई बदलाव किया है ?**

➤ अपर पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी द्वारा अपने सर्किल के सभी थानों का माह में कम से कम एक बार पंजीकृत/प्रचलित अभियोगों की प्रगति/परिणाम की समीक्षा अपराधवार करें।

➤ अभियोगों का तत्परता से अनावरण कराकर अभियुक्तों की गिरफ़्तारी की जाय। अभियोग की विवेचना में उच्चकोटि की गुणवत्ता लायी जाय तथा विवेचना में वैज्ञानिक विधियों की सहायता ली जाय।

➤ लूट/डकैती के अभियोगों में अभियुक्तों की गिरफ़्तारी के साथ–साथ माल की बरामदगी भी की जाये तथा माल व मुल्जिम की कार्यवाही शिनाख्त अवश्य करायी जाये।

➤ ग्रामीण थाना क्षेत्र में अपराधिक/साम्प्रदायिक/जातीय आधार पर संवेदनशील ग्रामों को चिन्हित कर अधिकारियों द्वारा भी इनका भ्रमण कर संवेदनशीलता कम की जाय। शिकायती प्रार्थना पत्रों के सम्बन्ध में अधीनस्थों द्वारा की गयी कुछ जाँचों का भौतिक सत्यापन किया जाये।

➤ समस्त पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि थाना परिसर की सफाई, अभिलेखों के रख–रखाव पर विशेष ध्यान दिया जाये।

➤ प्रदेश के जनपदीय पुलिस में नियुक्त आरक्षी/मुख्य आरक्षी विगत कुछ वर्षो से अपने गृह जनपद से दूरस्थ जनपद में नियुक्त होने के कारण अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को सही तरीके से नहीं निभा पा रहे थे और मानसिक रूप से परेशान रहते थे जिससे राजकीय कार्य बाधित हो रहा था। इसे ध्यान में रखते हुए गृह जनपद के नजदीक उनके द्वारा वांछित जनपदों में उनका स्थानान्तरण किया गया जिससे अधीनस्थ कर्मचारियों को पूर्ण मनोयोग से ड्यूटी करने का अवसर प्राप्त हुआ।

**आप अपने कार्यकाल में पुलिसिंग के किन पहलुओं को प्राथमिकता देंगे?**

➤ सुदृढ़ पुलिसिंग हेतु सर्वोच्च प्राथमिकता है – अपराधों की रोकथाम।

➤ इसके लिये पेशेवर अपराधियों, माफियाओं को चिन्हित कर उनके विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करना।

➤ स्थानीय विवादों को चिन्हित कर उसका स्थायी समाधान निकालना।

➤ जो अपराध घटित हुए हैं, उन्हें सही वर्कआउट कर अपराधियों को न्यायालय तक ले जाना।

➤ प्रभावी पैरवी करके अपराधियों को सजा दिलाना।

➤ प्रदेश में साम्प्रदायिक एवं जातीय सौहार्द के साथ बेहतर प्रभावी कानून व्यवस्था स्थापित करना।

➤ यातायात प्रबन्धन में पर्याप्त सुधार करना।

**उत्तर प्रदेश में पुलिस द्वारा मानवाधिकारों के हनन के केसों की संख्या सबसे अधिक रही है, आपके विचार में इसके क्या कारण हैं ?**

मानवाधिकार के हनन की संख्या देखते समय उ.प्र. की जनसंख्या को भी ध्यान में रखा जाय। मानवाधिकार का सम्मान करने हेतु प्रदेश पुलिस को कड़े दिशा–निर्देश दिये गये हैं तथा समय–समय पर मानवाधिकार के सम्बन्ध में जनपदों एवं प्रदेश स्तर पर गोष्ठियाँ आयोजित कर इस सम्बन्ध में पुलिस कर्मियों को जागरुक किया जा रहा है। परिणाम स्वरूप प्रदेश में पुलिस अभिरक्षा में मृत्यु, फर्जी मुठभेड़ दिखाकर की गयी हत्या, अवैध तरीके से पुलिस अभिरक्षा में रखने की घटनाओं में पर्याप्त कमी आयी है।

**आप इसमें कमी लाने के लिये तथा पुलिस द्वारा भी कानून के शासन को मानने के लिये क्या कदम उठायेंगे?**

इसके लिए कुछ कदम उठाए जाएंगे :

➤ प्रशिक्षण से जागरूकता।

➤ मानवाधिकारों का कड़ाई से पालन।

➤ मानवाधिकार उल्लंघन करने वालों को त्वरित दण्ड।

**उत्तर प्रदेश में अकारण पुलिस ट्रांसफर की समस्या बहुत जटिल है। जबकि, २००६ में दिये गये उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार यह जिम्मेदारी पुलिस स्थापना बोर्ड को दी गयी थी। लेकिन, राज्य में इसकी कार्यशैली और गठन दोनों ही दोषपूर्ण है। क्या वर्तमान में पुलिस स्थापना बोर्ड की कार्यपद्धति में उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप कोई बदलाव किये जाने की योजना है? आपकी ओर से क्या विशेष कदम उठाये जा सकते हैं ?**

प्रदेश पुलिस में स्थानान्तरण के लिये स्थापना बोर्ड बना हुआ है जिसके द्वारा ही स्थानान्तरण किये जाते हैं। यह बोर्ड मा. उच्चतम न्यायालय द्वारा दिये गये निर्देश के अनुसार ही बना है। स्थापना बोर्ड के अनुसार ही कार्यवाही आगे भी होगी। इसमें कोई बदलाव की आवश्यकता नहीं है।

**हाल ही में, मेरठ में कानून व्यवस्था और जाँच दोनों को प्रायोगिक स्तर पर अलग किया गया था। इसके क्या परिणाम आए हैं? क्या राज्य में उचित संख्या में भर्ती के बगैर सभी स्थानों पर ऐसा कर पाना सम्भव है ? इसके बारे में आगे किस प्रकार कदम उठाये जाने चाहिए ?**

लगभग ४ माह से मा. उच्च न्यायालय के आदेश से नगर मेरठ के थानों में कानून–व्यवस्था और विवेचना पुलिस को अलग–अलग प्रयोग के तौर किया गया है। जिसके परिणाम उत्साहजनक है। इस पर अभी और विचार होना है। कानून व्यवस्था व विवेचना को प्रदेश में थाना स्तर पर अलग–अलग किये जाने में पर्याप्त उपनिरीक्षकों की आवश्यकता होगी, जिनकी भर्ती की प्रक्रिया जारी है।

**आपके विचार में वर्तमान समय में राज्य पुलिस की क्या चुनौतियाँ हैं और इससे निपटने के क्या उपाय हैं?**

कई चुनौतियाँ हैं, जैसे :

➤ नक्सलवाद – प्रदेश में जनपद मिरजापुर, चंदौली व सोनभद्र में विगत वर्षों में कुछ घटनायें घटित हुई थी जिनके विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की गयी। अभी हाल ही में उ.प्र. सरकार से ०२ लाख रुपये व बिहार सरकार से ०१ लाख रुपये का पुरस्कार घोषित नक्सली मुन्ना विश्वकर्मा, उ.प्र. सरकार से ०१ लाख रुपये पुरस्कार घोषित लालब्रत कोल उर्फ कमल जी तथा ५० हजार रुपये पुरस्कार घोषित अजीत कोल गिरफ्तार किये गये हैं । इससे प्रदेश में नक्सली आंदोलन की रीढ़ टूट गयी है। वर्तमान में इस प्रकार की घटनाओं पर पूर्ण नियंत्रण है।

शेष भाग पृष्ठ ४ पर :

## बूझो और जीतो-६

प्रिय पाठकों,

***लोक पुलिस*** पत्रिका द्वारा आपके लिए इस रोचक प्रतिस्पर्धा की शुरुआत की गई थी। इसके अंतर्गत आपसे केवल ५ सवाल पूछे जाते हैं, जो आपके काम से सम्बन्धित होते हैं। जून अंक से सही जवाब भेजने वाले २ विजेताओं को ५०० रुपये पुरस्कार के रूप में डिमाण्ड ड्राफ्ट या चेक द्वारा भेजा जाएगा और विजेताओं के नाम पत्रिका में प्रकाशित किये जाएंगे।

आपके सवाल निम्नलिखित हैंः–

१. केस डायरी क्या होती है ?
२. किसके सामने की गई अपराध की कबूली अदालत में मान्य होती है?
३. क्या बगैर हथकड़ी लगाए भी गिरफ़्तारी हो सकती है ?
४. अग्रिम ज़मानत क्या होती है और कौन से प्रावधान के अंतर्गत ली जा सकती है ?
५. पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी की डॉक्टरी जाँच कब कराई जानी चाहिए ?

__बूझो और जीतो – ३ का परिणाम__

मार्च २०१२ अंक का परिणाम इस अंक में प्रकाशित किया जा रहा है। इसमें पूछे गए प्रश्नों के उत्तर और विजेताओं के नाम इस प्रकार हैं।

१. अगर गिरफ़्तारी के १० घंटे के भीतर प्राथमिक जाँच के बाद, जाँच अधिकारी को पता लगता है कि आरोपी पर कोई केस नहीं बनता है तब, बिना मजिस्ट्रेट के सामने प्रस्तुत किये भी डायरी में इंद्राज करके उसे छोड़ा जा सकता है।
२. भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा ९ के अनुसार किसी कि पहचान करवाने के लिए गवाहों या शिकायतकर्ता के समक्ष उसकी शिनाख़्त परेड कराई जा सकती है।
३. दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा १७३ के अंतर्गत पुलिस अपनी अंतिम रिपोर्ट दायर करती है।
४. हां, दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा ४३७ के अंतर्गत आरोपी जमानत की मांग कर सकता है।
५. एक १३ साल के बच्चे को हिरासत में लेने के बाद बाल पुलिस अधिकारी द्वारा बाल न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

सम्भवतः बूझो और जीतो–३ के प्रश्न पाठकों को थोड़े कठिन लगे, इसलिए हमें केवल एक पत्र ही प्राप्त हुआ जिसके सभी उत्तर सही हैं।

नोट : विजेता श्रीमती शिवानी भल्ला, एस.आई., मधुबन, हरियाणा को जून के अंतिम सप्ताह तक चेक या डिमाण्ड ड्राफ्ट द्वारा पुरस्कार की राशी भेज दी जाएगी।

अपने जवाब हमें डाक द्वारा प्रेषित करें या ईमेल करें–

जी़नत मलिक
प्रधान सम्पादक, ***लोक पुलिस***
कॉमनवेल्थ ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव
बी-११७, दूसरा तल, सर्वोदय एनक्लेव, नई दिल्ली ११००१७, भारत
फोन : +९१-०११-४३१८०२००, ४३१८०२२५-२९९
फैक्स : +९१-०११-२६८६४६८८
ई–मेल: *zeenatmalick@gmail.com*
वेबसाईट: *http://www.humanrightsinitiative.org*

# Tkkp dk vfre pj.k& ds Mk;jh vkSj ofj"B vf/kdkfj;ksdsdÙkZ;

Tkkp vf/kdkjh }kjk gj dsl ds fy, ,d vyx dsl Mk;jh cukbZ tkuh pkfg, vkj ml ij ifrfnu dh miyfC/k fy[kh tkuh pkfg,A tkp ds iR;sd pj.k ftles fujh{k.k ukV] tkp vf/kdkjh ds ikl lpuk igpus dk le; vkj rkjh[k] mlds tkp ikjEHk vkj lekIr djus dk le;] mlds }kjk oh{k.k fd;s x;s LFkkuks dh 0;k[;k vkj blls og fdl fu"d"kZ ij igpk mlds ckjs es er gkuk pkfg,] xokgks ds c;ku dk gokyk vkj dsl fdl idkj vkxs c<k] dsl Mk;jh es fy[kk gkuk pkfg, ¼n-iz-l- /kkjk 172] fu;e 257] iz-196 xtjkr iqfyl eU;vy½A bl dsl Mk;jh dh ,d lkQ&lFkjh ifr gj fnu Mh-,l-ih- dks Hkst tkuh pkfg,A

dsl Mk;jh dk edln gS tkp vf/kdkjh ds dk;ks dk fu;fer djuk rFkk ml ij ofj"B vf/kdkfj;ks rFkk vnkyr }kjk fuxjkuh j[kukA dsl Mk;jh dk iR;sd i"B fNfnr vkj vad Ni gkuk pkfg, vkj blds ,d rjQ gh fy[kkoV gkuh pkfg,A tkp lekIr gkus ds ckn blls tMs i"Bks dk fudkydj md lkFk Fkkus es Qkby dh tkuh pkfg,A lxhu dsls es tgk Mh-,l-ih- dsl Mk;jh dh ifr tek djus dk vknsk n] dsl Mk;jh ds gj i"B dh ,d dkcu dkih cukbZ tkuh pkfg, vkj mls fudkydj rjar Mkd }kjk Mh-lh-ih- dks Hkst fn;k tkuk pkfg,A Mh-,l-ih- dks ;g n[kuk gS fd dsl Mk;jh dks funs'k ds vuqlkj cuk;k tk jgk gS A dsl Mk;jh ij fdlh 'kdk@loky dk tokc Hkh dsl Mk;jh es gh yxkdj j[kuk pkfg, ufd dgh vyx rkfd lk{o{k.k vf/kdkjh ;g tkp djus es lefFkZ gks xk fd dsl Mk;jh dk ckjhdh ls fujh{k.k fd;k x;k gSA

tkp dh voLFkk vkj egRo dks /;ku es j[krs gq, vkj tkp vf/kdkfj;ks }kjk yxkrkj ?kfV;k vkj i{kikri.k tkp dks n[krs gq, iqfyl eU;vy es tkp vf/kdkjh vkj tkp ij fu;=.k j[kus ds fy, iko/kku fn;s x;s gSA ofj"B iqfyl vf/kdkfj;ks] tSls lfdy vf/kdkjh vkj lc fMohtuy iqfyl vQlj dk dÙkO; gS fd og dkxtks dk vkj dsl Mk;jh dk i<us ds ckn tkp ds ckjs es

iqfyl vf/kdkfj;ks dk funs'k nA tkp es vfu;ferrk dk jkdus ds fy, mUgs vijk/k LFky dk oh{k.k djuk pkfg, vkj vius vf/kuLFk iqfyl vf/kdkfj;ks dk tkp es ekxn'ku djuk Mh-,l-ih- dk vius {ks= ds lHkh Fkkuks ds fy, ,d vijk/k jftLVj cukuk gksrk gSA bl jftLVj es mUgs gj Fkkus ds vijk/k ds ckjs es] tkp ds ckjs es dsl Mk;jh ds vuqlkj tkp dh ixfr ds ckjs es fy[kk tkuk pkfg,A bu jftLVjks dk vPNh rjg cuk;k tkuk pkfg, rkfd Mh-,l-ih- dk iR;sd dsl ds tkp ixfr dh tkudkjh Bhd idkj ls gksA

& uokt dkroky

# dk;Zdkfj.kh lk;Z{k.k ;k iwZfu;=.k

mÙkj izns'k us pukoks ds ifj.kke ds ckn gky gh es ,d u,] ykdfiz; vkj ;qok eq[;e=h dk jkT; dk urRo lkai fn;k gSA bl u, urk ls dbZ vk'kk,s c/kh xbZ g vkj bUgkus jkT; dh turk ls dbZ okns Hkh fd;s gSA yfdu] D;k ;g urRo jkT; dh efyu iqfyflx voLFkk dh cgrjh ds fy, dN Bksl vkj dkjxj dne mBk,xk \

lekt oknh ikVh] jkT; es dkuu 0;oLFkk dh fLFkfr dks l/kkj dj iqfyflx voLFkk dks cgrj cukuk pkgrh gSA blds ?kks"k.kki= es iqfyl dk mPp Lrjh; rduhd rFkk uohure lfo/kkvk dks miyC/k djkus dh ckr dgh xbZ gSA bles ;g Hkh dgk x;k gS fd lHkh iqfyl vf/kdkfj;ks dks mudh dk;Zdky es inkUufr ds de ls de rhu volj fn;s tk,xsA fu;fDr ds fy, vkpj.k iek.ki= es[; vk/kkj gkxk vkj VkLQj ds fy, lHkh fu;e vkj fofu;eks dk ikyu fd;k tk,xkA

dk;Hkkj lHkkyu ds rjar ckn] 15 fnuks dh vof/k es cM iekus ij VkLQj fd;s x,A jkT; ds lHkh 75 ftyks dk iHkkfor djrs gq, rdjhcu 100 mPp Lrjh; vf/kdkjh] ftles ,l-ih- ls ydj Mh-th-ih- rd 'kkfey g] dk rcknyk fd;k x;kA D;k ;s rcknys n'k ds dkuu dh dlkVh ij [kjs mrjrs g \

Hkkjr es iqfyl ij jktuhfrd fu;=.k dh fLFkfr n;uh; gSA dk;Zdkfj.kh us vu'kklu dh 'kfDr;ks dk] iqfyl ij viuk Qk;n ds fy, fu;=.k djus ds fy, gMi fy;k g vkj iqfyl ds iHkkRo lajpuk dks n"ifjr djds blds uk'k dj fn;k gSA yxHkx lHkh jkT;; iqfyl vk;kxks vkj jk"Vh; iqfyl vk;kx us jktuhrkvks }kjk 0;fDrxr ykHk ds fy, iqfyl 0;oLFkk ds n: i;kx ds vifjgk;Z lcr ik;s gSA ;kX;rk dk nRdkjk x;k g vkj ojh;rk dk Hkh vun[kk fd;k x;k g D;kfd mPp Lrjh; iqfyl urRo u jktufrd ncko ds vkxs ?kVus Vsd fn;s gSA vf/kdkfj;ks u iqfyl ds dke es jktufrd gLr{ki dh vkj ls vk[k cn dj yh g ;k fQj bl ckr ds fy, jktuhfrK gks x, g fd tSls py jgk g pyus nkA yfdu] vxj iqfyflx 0;oLFkk ds bl ipyu dks cnyuk g rks blds fy, lokxh.k cnyko dh vko';drk gSA iqfyflx es bl idkj ds rjhdk l/kkj ds fy, vkj iqfyflx fLFkfr dks lpk# djus ds fy, mPpre U;k;ky; u 2006 es ,d tufgr ;kfpdk dks tokc nrs gq,] ljdkjks dks 6 fo'k"k uhfr;ks vkj lLFkkxr ifjorZu ykus ds vkns'k fn,A vnkyr ds fn'kk funs'k iqfyflx es dk;Zu"iknu vkj xyfr;ks ds tokcngh dh i.kkyh deh] vo/kkfud jktufrd gLRk{ki ij jksd vkj iqfyl ds 0;kolkf;drk ds fuEu Lrj dks Bhd djus ds fy, FkkA

bu fn'kk&funs'kks es ls ,d dk vfHkik; iqfyl es vpkud vkj vuxg ds rkSj ij gkus okyh fu;fDr;ks vkj VkLQj dks jksduk FkkA vnkyr us blds fy, jkT; Lrj ij ,d iqfyl 0;oLFkk iu ckMZ ds xBu dk vkns'k fn;kA bles dgk x;k fd iqfyl ds pkj lcls ofj"B vf/kdkjh blds InL; gks vkj Lo; Mh-th-ih- blds v/;{k gkAA bl ckMZ dk xBu jkT; es cxj fdlh i{kikr vkj vuko';d gLr{ksi ds ikjn'khZ vkj r; fd;s x, ekin.M ds vuqlkj inkUufr] fu;fDr;k rFkk VkLQj ds fy, fd;k x;k FkkA ckMZ ds ikl Mh-,l-ih- vkj uhps Lrj ds lHkh vf/kdkfj;ks ds VkLQj] fu;fDr;ks vkj inkUufr r; djus dk vf/kdkj gS vkj ,l-ih- rFkk mlls ofj"B vf/kdkfj;ks

ds VkLQj] fu;fDr;ks vkj inkUufr ds ckjs es jkT; ljdkj ds ikl fl Qkfj'k djus dk vf/kdkj gSA blds dkbZ 'kd ugh fd ckMZ dh rjQ ls Hkh tkh xbZ fl Qkfj'k jkT; ljdkj ds fy, bruh 0;kid vkj ck/;dkjh gksrh g fd ljdkj dks blds egRo ndj vkerkj ij bls Lohdkj djuk gh gksrk gSA

gkykfd] mPpre U;k;ky; us VkLQj vkj inkUufr dks lh/kk jkg ij ykus ds fy, dkuuh volj pukus miyC/k djk fn;k g yfdu blds dk;kUo;u gkuk vc Hkh ckdh gSA dkoy 32 ifr'kr jkT;ks us blds ijk ;k vkk ikyu fd;k gSA tcfd 'k"k 68 ifr'kr us bls ij rjg utjvankt dj fn;k gSA mÙkj izns'k dh blesa D;k fLFkfr g \ 2008 es] ek;korh ljdkj us dkxt ij iqfyl 0;oLFkk iu ckMZ cuk;k Fkk ftlds fy, ;g dgk tk ldrk g fd ,lh LFkkiuk ls vPNk rks ;g gkrk fd blds xBu gh u fd;k tk, D;kfd blds xBu gh nks"k;ä gSA blesa mPpre U;k;ky; ds fn'kk funs'k ds ifrdwy lkjs vf/kdkj Mh-th-ih- dks n fn;s x;s Fks vkj vuqikyu dkV ds utfj;s ls dkQh nj FkkA

dkeuoYFk áeu jkbV~l buf'k,fVo dh lJh uokt dkroky dgrh g ßftu ins'kks es iqfyl 0;oLFkkiuk ckMZ tehuh Lrj ij dke dj jgs g] og Hkh LkQy ugh gSA fdlh idkj ds ikjnf'krk ds vHkko es ;g ;FkkfLFkfr dks dk;e j[kus ds fy, lkoV dk ,d lkeku cudj jg x, gSA blds lcls cMh detkjh blds vf/kn'k gSA ;g dkoy fupys Lrj ds iqfyl dh fu;fDRk;ks ij fu.k; ys ldrk g] mPp Lrjh; vf/kdkfj;ks dh fu;fDr dk vf/kdkj vc Hkh ljdkj ds ikl

gSAß ;g leL;k dk bruh vklkuh ls gy ugh fudy ldrk g D;kfd ljdkj fu;fer :Ik ls rsth ls gks jgs VkLQj dk U;k;lxr crkus ds fy, iz'kklfud vfuok;Zrk dk gokyk nsrh gSA okLro es] iqfyl 0;oLFkkiuk ckMZ vkt Hkh mu ykxks }kjk fu;f=r gks jgh g ftudk ikl jktufrd igqp g] o cn njokts ds ihNs dke djrs g vkj dk;Zdkfj.kh ds lnL;ks ds vykok fdlh vkj ds lkFk lEidZ ugh j[krsA dk;Zdkfj.kh vkj iqfyl nkuks es ls dkbZ Hkh blds ek;tnxh vkj vf/kn'k ds ckjs es tkx:drk Qykus dh dksf'k'k ugh djrk gSA

iqfyl es turk ds yxkrkj fxjrs g, fo'okl dk n[krs g, tgk vkerkj ij ;g ekuk tkrk g fd iqfyl vius fdlh Hkh vf/kdkjh dk xEHkhj vkijk/k vkjki ls cpko djrh g vkj [kn dk ge'kk ml dkuu ls Åij ekurh g ftlds dk;e j[kus dh ftEenkjh mlh nh xbZ gA ,ls es 0;oLFkkiuk ckMZ ds ckjs es tkx:drk cgn vko';d g vkj ,d fØ;k'khy ckMZ ls iqfyl foHkkx ds ckjs es ikjnf'krk dh vk'kk mRiUu gksxhA

eq[;e=h us ins'k dk ,d u;k Hkfo"; nus dh ckr dgh gSA gky gh es fd;s x, rcknyks ds ckotn Hkh ;g vk'kk dh tkrh g fd lektoknh ikVh vius vf/kn'k es fy[k ekudk dks ijk djxh vkj iqfyflx es l/kkj ds fy, u dkoy bls vk/kfud rduhdks ls yl djus dh vko';drk g cfYd ,d vPNh lok og gkxh ftles ikjnf'krk vkj vuko';d jktufrd gLr{ki u gksA vk'kk dh tkrh g fd orekus ljdkj mPpre U;k;ky; }kjk fu/kkfjr lokPp ipyu dk viuk,xhA

& Qgn vgen

# D;k vki tkursgS\

bl J[kyk dk vxyk ] fiNyk vad l ge xg e=ky; }kjk ^lkEiznkf;d lnHkkouk* l lEcfU/kr tkjh fn'kk&funs'kkas dk dN v'k iLrr dj jg gA bl J[kyk dh ;g nljh dMh gA

bu fn'kk fuknsZ'kka dk T;k dk R;k iLrr djus dk edln ;g g fd vki bl ij viuk er fofdflr dj ldrs vkj budk fdruk ikyu vkids jkT; e fn[kkbZ iMrk g bldk fujh{k.k dj ldA viu jkT; dh fLFkfr vkj bu fn'kk funs'kka ds ikyu dh fLFkfr l ge Hkh voxr djk;A

lkEiznkf;d lnHkkouk ij fn'kk&funsZ'k

i'kklfud mik;

3-1- e[;e=h dh v/;{krk e gj rhu eghus e de l de ,d ckj jkT; Lrjh; lekdyu lfefr dh ehfVax dh tkuh pkfg,A bl ehfVax e jkT; dh lkEiznkf;d ifjfLFkfr dh lehf{kk gkuh pkfg,A

3-2- jkT; ljdkj dk Lrj ij ,d ukMy lsy dh LFkkiuk dh tkuh pkfg, tks lkEiznkf;d ckrks vkj blls lEcfU/kr tkudkfj;ksa dk fy, fudkl xg dk rkj ij dke djA ;g fofHkUu lkEiznkf;d ?kVukvksa dk vkj mlsa gkus okys ud lku dk] jftLVM dsl rFkk mudh ixfr dk MkVkcsl j[k ldrk gA ;g jkT; e lkEiznkf;d mirko dk rjhdks dk v/;;u Hkh dj ldrk gS bls jkdus dk mfpr mik; r;kj fd;k tk ldA bldk vykok] ;g nljs foHkkxksa@,tfl;ksa ds lkFk eyko tk] jkgr vkj iqufoZ"Bk dk fy, lkeatL; LFkkfir dj ldrh gA

3-3- jkT; vkj ftyk Lrj ij] lkdV ifjU/ku ;kstuk gkuh pkfg, ftlls lkQ rkj l lkdV dk lEHkkfod dkj.kka vkj ifr'kk[kkvk dk fp=.k dj tk bl lkEiznkf;d mirkoka dk dkj.k iznk gks ldrs gks] lkdV dk le; ij fofHkUu foHkkxksa@,tfl;ksa dh Hkfedk dk igpkuk] ftu lulk/kuk dk yxkus dh vko';drk gks mlsa igpkuuk vkj ,lh ifjfLFkfr;ksa l fudyus dh ifØ;kvks dk r; djukA

3-4- tehuh Lrj ij] iqfyl vkj Lfkkuh; bVfy tsl ,tsUlh@ lLFkkuks dk vPNh rjg mu rRoks dk ckjs e irk gkrk g ftudk lkEiznkf;d ruko iSnk djus e iR;{k ;k vir;{k :i l dkbZ u dkbZ fjdkMZ gkrk gA ,l rRoks dh ,d lph igys l gh gj Fkkus e r;kj gkuh pkfg,A R;kgkjks dk ekSle e ;k fdlh vkj ekSle e tc lkEiznkf;d ruko vkj lEHkkfor lkEiznkf;d iÑfr dh ?kVukvksa dk mRiUu gkus dk [krjk gks] rks ,sls rRoks dk rijUr lekIr djus dk fy, mfpr dne mBk;s tkus pfg,] ftlsa tgka vko';d gks ogka jkdus dk fy, dk;okgh gkuh pkfg,A

3-5- lkEiznkf;d :i l laonu'khy 'kgjks vkj bykdks e] 'kkfr lfefr@dkeh ,drk lfefr dk xBu fd;k tkuk pkfg, ftlesa lkenkf;d urk] vknj.kh; lxBu] ie[k ukxfjd rFkk jktufrd ikfV;ksa dk lnL; gkus pkfg,] bu ykxks dk lkFk Fkkuk] lc fMfotu rFkk ftyk Lrj ij vkof/kd lEcU/k LFkkfir fd;k tkuk pkfg,A i[;kr 0;fDr] 'kkfr lfefr@jk"Vh; lekdyu lfefr dk lnL; vkj {k= dk Lo; lsxBuks dk lnL; lkEiznkf;d lkgknz dk;e djus e rFkk lkEiznkf;d >xMks dk jkdus e vxj mu {k=ks e tgka mudk iHkko gS ogka ifjfLFkfr;ksa dh fuxjkuh dj lds rks] lkFkd ;kxnku dj ldrs gA efgykvks] tkfd lkEiznkf;d ruko@nxks dk nkjku cgn onuh; leg dk :Ik e fn[kkbZ iMrh g] ok lkEiznkf;d nxks dk de djus e enn dj ldrh gA mudk 'kkfr lfefr e mfpr ifrfuf/kRo nxks dh ifjfLFkfr dk jkdus e enn dj ldrh gA

3-6- fdlh ?kVuk ;k ruko dk Mj dk nkjku nljs mik;ksa ds lkFk gh 'kkfr lfefr dk rjUr gh bl ifjfLFkfr dk jkdus ds fy, dk;kfUor dj nuk pkfg,A

3-7- fofHkUu lkenkf;d urkvksa dk lketL; ls fofHkUu R;kgkjks dk le; ikyu fd;k tkus okyk vkpkj lfgrk r;kj fd;k tkuk pkfg,A 'kkfr lfefr dk lnL;ksa dks turk dks bl lfgrk dk fo"k; oLrq dk ckjs e f'kf{kr djus dk fy, Hkh 'kkfey djuk pkfg,] rkfd R;kgkjks dks e=hi.k ekgky e cxj fdlh 0;fDr ;k lenk; dks ij'kkuh igpk, euk;k tkuk lfuf'pr fd;k tk ldA R;kgkjks dk 'kkfri.k rjhdk l euk;s tkus ds fy, ekgYyk dfeVh dk xBu fd;k tkuk pkfg, ftlesa lHkh lenk; ds lnL; gksA

3-8- ykmMLihdj dk vfu;f=r mi;kx vdlj fofHkUu iadkj ds legks e mx ifrfØ;k mRiUu djus dk dkj.k jgk gA ykmMLihdj dk mi;kx dks fu;f=r djus ds fy, fofHkUu dkuuks ds varxr vyx&vyx dkuuh iko/kkuk dh lgk;rk yus ds vykok] ykmMLihdj ds mi;kx dh vkKk nrs fuf'pr 'krk dk ikyu fd;k tk,A jkr ds 11 cts l lcg ds 6 cts ds e/; ykmMLihdj ds mi;kx dh vkKk nrs le; ge'kk lko/kkuh cjruh pkfg,A in"k.k ¼0;oLFkkiu o fu;=.k½ fu;e] 2000 ftl fd okrkoj.k ¼lj{k.k½ vf/kfu;e] 1986 ds varxr cuk;k x;k g vkj tks ykmMLihdj vkj ,EiyhQk;j ds mi;kx dk lHkh LFkkuks ij fu;f=r djrk g vkj blesa iitk LFky Hkh 'kkfey g] dk 0;kid :i l ipkj fd;k tkuk pkfg,A

3-9- dbZ idkj ds /kkfeZd tyl vdlj lkEiznkf;d eBHkM vkj >Mi dk dkj.k cu gA vdlj] dbZ lxBu Hkh /kkfeZd voljks ij viuh 'kfDr dk in'ku ds :Ik e tyl fudkyrs g] tkfd Lo; gh mdlkus dk dkj.k cu ldrs gA ,sls tyls dk vk;kstdk dk pkfg, fd o ,d lrk"ktud tekur nsa fd vxj tyl laonu'khy {k=ks ls xqtjsxk rks LohÑr jkLrs dk gh mi;kx djsxA ,sls lHkh ekSdks e tgka ,sls tyls ls laonu'khy rk tMh gbZ gks] lko/kkuhiwoZd lqj{kk dk icU/k lfuf'pr fd;k tkuk pkfg,] rkfd fdlh Hkh v'kkfr ?kVuk dk jkdk tk lds vkj blds fy, ,d [kkl vf/kdkjh dk ftEenkjh nh tkuh pkfg,A ;g lc] lenk; dk fu/kkZfjr vknj.kh; lnL;ksa dk 'kkfri.k tyl fudkyus dh fo/kh rFkk igys ls r; lhek, fuf'pr djus ds fy, dk;kfUor djuk pkfg,A

3-10- ,sls /kkfeZd tyls dh dk;okgh vkj xfrfof/k;ksa dk fjdkMZ djus ds fy, ohfM;ks @vkfM;ks dojst vkj dejk dk mi;kx fd;k tkuk pkfg,] [kkl rkj ij tgka ekxZ laonu'khy gks ;k] tgka fdlh vfiz; ?kVuk dh gkus dh FkkMh Hkh vk'kdk gksA bu fjdkMZ l dks ckn e igpku vkj nkf"k;ksa ds vfHk;kstu ds :i e mi;kx fd;k tk ldrk g rFkk bldk ,d fuokjd ds rkj ij Hkh mi;kx fd;k tk ldrk gA

3-11- cUnd] rhj gfFk;kj] lkVk] M.Mk ;k uk'kd inkFkZ vkj fo"QksVd dks ys tkuk fu;=.k djus ds fy, mfpr mik; fd;s tkus pkfg,A bu mik;ksa e tgka vko';d gks ogka bUgs iqfyl ds ikl tek djuk Hkh 'kkfey gA

3-12- blh idkj ykxks ;k yk'kks@ vkdMks@irykas vkj blds turk ds chp dBkj vfHk0;fDr vkj foyki vkj fdlh Hkh idkj ds mUkstd fpUg ;k foKkiuk dk fu;f=r djus ds fy, mik; cuk, tkus pkfg,A

3-13- vQokgks dk jkdus ds fy, ,d iHkkodkjh vkj lkFkd dne mBk;k tkuk pkfg,A lHkh lenk; ds urkvksa ds lkFk okrkykiks ds puyks dk Bhd ls LFkkfir fd;k tkuk pkfg, vkj ,sls gj 0;fDr dk fo#) dne mBk;k tkuk pkfg, tks HkMdkÅ Hkk"k.k }kjk lkEiznkf;d ruko mRiUu djA ehfM;k dk mi;kx vkj nljs puyks dk mi;kx fd;k tkuk pkfg, rkfd vQokgks dk rjUr fu"Qy fd;k tk lds vkj ykxks tkudkjh nuk lfuf'pr fd;k tk ldA vdlj ;g ns[kk tkrk g fd vxj dkbZ lkdV mRiUu gkrk g rks lkjk i'klu mlh e 0;Lr gks tkrk g vkj bl vkj fdlh dk /;ku ugha tkrk gA mfpr dk;Hkkj dUæh; ftEenkjh vkj lpuk ds rkj rjhdks dk icU/ku cgn egRoi.k g vkj bl lfuf'pr fd;k tkuk pkfg,A

3-14- dN voljks ij] lkEiznkf;d fgalk dh ?kVuk dk dkj.k ykxks e vkdfLed Hk; dh ifrfØ;k gks ldrh g] ftles iokl Hkh lEHko g ¼vkj bl iokl dk dkj.k lEifÙk dk udlku½A ,sh ifrfØ;k okys {k=ks dh igpku igys ls gh dh tkuh pkfg, vkj blds fuxjkuh vkj jkdFkke ds mik; r;kj fd;s tkus pkfg,A ;g ,d ,slh ckr g ftl ckjs e vQokgs cgr vf/kd mM ldrh g vkj tks c<k p<k dj fjikV dh tkrh g vkj bls ftyk i'kklu }kjk fo'k"k /;ku fn;s tkus dh vko';drk gA

3-15- mfpr dne mBk;s tkus pkfg, ftlls fd itk LFkyks dk dkbZ udlku u igp ldrs] itk LFkyks ¼fo'k"k iko/kku½ vf/kfu;e] 1991 dk ykxw fd;k tkuk pkfg, ftles /kkfeZd LFkkuks vkj ifjljks dk udlku igpkus ds fy, n.M dk iko/kku g vkj ,sls vijk/kks ls lEcfU/kr 'kh?k eqdnek dk fy, fo'k"k vnkyrks dh LFkkiuk dk Hkh iko/kku gA

3-16- fdlh Hkh /kkfeZd LFkku dk fuekZ.k ftyk i'kklu dh iol lgefr ls vkj igys ls fuf'pr dh xbZ txg ij gh fd;k tkuk pkfg,A oreku dkuuks ds varxr /kkfeZd LFkkuks ds vo/kkfud fuekZ.k ds dkj.k ls dBkjrk iwoZd fuiVuk pkfg,A ftyk i'kklu }kjk bu funs'kks ds dk;kZo;u dk ekuu e ykijokgh djus okyks dk dBkjrk iwoZd n[kk tkuk pkfg,] vkj nkf"k;ksa dk n.M fn;k tkuk pkfg,A

3-17- /kkfeZd lLFkkuks ¼nq:i;ksx ij jksd½ vf/kfu;e 1988 dk blfy, cuk;k x;k Fkk rkfd /kkfeZd LFkkuks dh ifo=rk dk cuk, j[kk tk,] vkj jktufrd] vkijkf/kd] uk'kdkjh ;k lkEiznkf;d mís';ksa ds n:i;kx dk jkdk tk ldA vU; ckrks ds lkFk lkFk icU/kd ij ;g ftEEknkjh Mkyrk g fd og itk LFky ds n:i;kx dh ?kVuk dh lpuk iqfyl dks nA ;g dkuu lkFk lkFk fdlh itk LFky ij gfFk;kjks vkj ;q) lkexh ds lap;u dh Hkh euka gh djrk gA

3-18- vxj dkbZ lkEiznkf;d ?kVuk ?kVrh g] rjUr blds ckjs e ,d fjikV xg e=ky; dks Hkth tkuh pkfg,] blds ckn ,d foLrr fjikV Hkh tkuh pkfg, ftles vPNs dke ds fy, buke nuk vkj lEcfU/kr ftyk vf/kdkjh dk iLrfr fn[kkus ds fy, n.M dk Hkh fooj.k gksA

& iLrfr% Tkhur efyd

## vki dsfopkj

egkn;k]

Ykkd ifyl dk vily vad i<+ dj bles idkf'kr c>ks v©j thrk&1 ds fo tirkvks dk c/kkbZ nuk pkgrk gwA blds i'u Kkuo/kd gkrs gA gkykfd] bru vklku ugha gkrs yfdu] fnekx ds ?kkMs nkMkus ij etcj dj nrs gA lEHkor% fdlh vad e ejk uke Hkh fotrkvks dh lph e fn[kkbZ nxk] ,slh vk'kk djrk g vkj viuk tokc Hkstrk jgxkA

'kHkdkeukvk ds lkFk]

gM dkLVcy] fcLVi iqj Fkkuk

te'knij] >kj[k.M

ueLdkj th]

ykd ifyl e idkf'kr dijy ds Mh-th-ih- Jh tdc iUuk] ds lk{kkRdkj ds }kjk ogks dh ifyfl x dh fLFkfr ds ckjs e tkudkjh feyh vU; Fkk fdlh nljLFk in'k ds ckjs e bruh foLrr tkudkjh feyuk lEHko ugha gkrk gA bl vad e cky U;k; dkuu l lEcfU/kr fnYyh mPp U;k;ky; }kjk tkjh u, fn'kk&funs'k Hkh dkQh mi;kxh yxkA

vk'kk g ,slh gh ubZ tkudkfj;k bl if=dk e idkf'kr gkrh jgxhA

/kU;okn!

Lkc&bLiDVj]

lkohZ fnYyh] fnYyh ifyl

# iqfyl lekpkj & gj dksusdh gypy

**Ekfgyk Fkkuk usfiNys ,d lky esdkbZHkh ds ugÈ ntZ fd;k gS**

dukVd d ckxkouxMh efgyk Fkkus dk vkt dy ,d ,-,l-vkb- }kjk pyk;k tk jgk g D;kfd bLiDVj dk in ,d o"k l fjDr g vkj ,l-vkb- i lfr Nh ij gA orekuFkkuk lpkyd d ikl ,Q-vkb-vkj- ntl djus dk vf/kdkj ugh g D;kfd del;Vj dk ikloM ofj"B vf/kdkjh d ikl gA blfy,] tk efgyk,i ogk f'kdk;r ntl djkus vkrh g mUgs okil Hkstk tk jgk gA LFkkuh; ykxk dk dguk g fd bl efgyk Fkkus es tkdj doy le; cckn gkrk gA cM l cM vijk/k d fy, ;gk dkl ntl ugh fd;k tkrk vkj lEcfU/kr vf/kdkj {k= okys Fkkus es Hkst fn;k tkrk gA gkykfd] 'kgj es doy nk efgyk Fkkuk g fQj Hkh ljdkj us bue vuekfnr LVkQ dh fu;fDr ugh dh gA tcfd lEcfU/kr {k= d ,-lh-ih- dk bles dkb leL;k ugh yxrh mudk vuqlkj ^tk ykx bl efgyk Fkkus es vkrs g o ejk dk;ky; ikl gkus d dkj.k ogk vk tkrs g vkj fQj es mUgs mudk vf/kdkj{k= okys Fkkus es Hkst nrk gA* blfy,] vxj f'kdk;rdrk efgyk Fkkus es igqp tk,, rks mls dy 3 dk;ky;k es tkus d ckn gh viuh f'kdk;r ntl djkuh gkxhA ,lh fLFkfr mRiUu u gk blfy, efgyk Fkkuk cukus l cgrj g fd e[; Fkkus es gh ,d efgyk gYi MLd LFkkfir dj fn;k tk,A

bl efgyk vf/kdkjh dh vuqifLFkfr es dkbZ vkj vf/kdkjh Hkh f'kdk;r fy[k ldxk vkj igys l ij'kku efgyk dk vkj dfBukbZ ugh mBkuh iMxhA ¼LkkstU; % cxykj fejj MkV dke 30 ebZ 2012½

**Ekgkjk"Vª ljdkj }kjk fgjklr eseR;q ij eqvkotk**

jkT; xg foHkkx us gky gh es fgjklr es ekr d ihfMrk d fj'rnkjk dk 1 yk[k&1-5 yk[k #Ik;s rd dk eqvkotk nus dk fu.k; fy;k gA foHkkx us dgk g fd iqfyl fgjklr es eR;q d lHkh ekeyk dh tkp lh-vkb-Mh- }kjk djokbZ tk,xhA vxj fdlh 0;fDr dh eR;q iqfyl dh ykijokgh d dkj.k gkrh g rc ljdkj ihfMr d fj'rnkjk dk ,d yk[k #i;k eqvkotk nxhA blds vykok vxj lh-vkb-Mh- tkp es ;g irk yxrk g fd ihfMr 0;fDr dh eR;q dk dkj.k iqfyl }kjk irkMuk Fkk] rc mlds fo#) ,d vkijkf/kd dl ntl fd;k tk,xkA ,lh dlk e] ihfMr d fj'rnkjk dk ljdkj M<+ yk[k #Ik;s eqvkotk d rkj ij nxhA ,d ofj"B iqfyl vf/kdkjh d vuqlkj bldk fu.k; fiNys o"k Qjojh es gh y fy;k x;k FkkA rkfd ihfMrk d ifjokj tuk dk dN jkgr fey ldA blds vykok jkT; lh-vkb-Mh- us lHkh iqfyl dfe'uj¨ dk iqfyl ;fuV dk tkp d nkjku] lh-vkb-Mh- }kjk r;kj dh xbZ ,d 14 l=h fn'kk&funs'k dk ikyu djuA

bl fn'kk&funs'k es tkp d fy, uohure rduhd d mi;kx ij cy fn;k x;k gA ;g fn'kk funs'k ykd&vi M;Vh d fy, mfpr lq[;k e xkMk d rukrh] nfud ifjØe.k M;Vh dh vko';drk dk j[kjf[kko djrk g] bl ckr dk lfuf'pr djus ij cy nrk g fd fi;DdM iqfyl deh bl M;Vh ij u gk] ykd&vi M;Vh xkM viuk dke fu;fer :i l vkj /;ku l dj vkj gj nk ?k.V es bl pd djrs jg fd dkbZ Hkh fi;DdM bl dke ij rukr u fd;k tk,A bl rF; dh lEHkkouk dk n[krs g,] fd dnh ekxZ es Hkkx tkrs g ;k vkRe gR;k dj yrs g] ;g fn'kk funs'k dfn;k d ykus y tkus d rjhds ij Hkh funs'k nrk gA bles dgk x;k g fd dfn;k d fy, ekxZ{kh iqfyldfe;k dk LoLFk] lpr vkj rst gkuk pkfg,A lkFk gh bl ckr dk Hkh /;ku j[kuk pkfg, fd ,d iqfyldeh fdlh ,d dnh d lkFk ckj&ckj u tk,A ¼LkkstU; % Mh-,u-,- bfM;k MkV dke 14 ebZ 2012½

**cykRdkj ihfM+rks ds fy, fQxj VsLV ugÈ!**

MUkj iz'k d uk,Mk vkj xkft;kckn es Hkh vc iqfyl dk cykRdkj ihfMrk dk fQxj VLV djokus d fy, euk dj fn;k x;k gA tcfd fnYYkh es 5 lky igys gh ,lk djus dh eukgh dj nh xbZ FkhA jkT; d LokLF; foHkkx }kjk ;g fu.k; vykgkckn mPp U;k;ky; es bl dh eukgh d fy, nk;j ,d tufgr ;kfpdk ij fn;s x;s vkn'k d ckn fy;k x;k gA bl ikdkj d VLV dk lkjk n'k d bl ikdkj d VLV dk lkjk n'k dh vkj ihfMrk d lkFk ,d rjg dk ,lk dke f'kdk;r ntl djkus ij] ifjokj ds lnL; Hkh bldk lgh ugh ekurA ;g ihfMrk dh ifjfLFkfr ,oa ekufld ijs'kkuh dks c<+krk gSA ¼LkkstU; % ,fu;wMM bZ dke 8 twu 2012½

x;s vkn'k d ckn fy;k x;k gA bl ikdkj d VLV dk lkjk n'k dh vkj ihfMrk d lkFk ,d rjg dk ,lk dke bl vkn'k d lkFk gh vykgkckn mPp U;k;ky; u jkT; Hkkj d LokLF; foHkkx dk cykRdkj tlh ekeyk es de l de nLrh tkp djus dk dgk gA lkFk gh] ,sls ekeyk es vR;f/kd lonu'khyrk cjrus dk Hkh dgk gA gkykfd] bl idkj d ekeyk es eukoKkfud ijke'k dh Hkh cgn vko';drk gkrh g ysfdu uk,Mk d LokLF; foHkkx d vf/kdkfj;k u ekuk fd ^;gk ftyk vLirky es eukoKkfud VLV d fy, vyx ls dkbZ 'kk[kk ugh gA ,lh ifjfLFkfr es efMdy dekpkj;k dk ekye ugh gkrk g fd ihfMrk d lkFk d lk 0;ogkj fd;k tk,A* bles dkbZ 'kd ugh fd cykRdkj ihfMrk dk bl VLV ls ,d vkj vieku lguk iMrk g vkj dbZ ckj bl ls mudk eukcy Hkh VVrk g] blfy, bl ipyu dk fQj ls lHkh LFkkuk ij lekIr djus d fy, iko/kku cuku dh vko';drk gA D;kfd] tc rd ,lk ugh gkxk rc rd iqfyl bu dlk dh tkp es ;g VLV djokuk cUn ugh djxhA vko';drk g fd bl jk"Vh; Lrj ij vo/k ?kkf"kr dj fn;k tk,A ¼LkkstU; % VkbEl vkQ bfM;k MkV bfM;k VkbEl dke 8 twu 2012½

**lk"B 1 dk 'k"k-----**

?kVukvk ij i.k fu;=.k gA vkrdokn& vkrdokfn;k d fo:) iz'k dh ,-Vh-,l- iHkkoh dk;okgh dj jgh g vkj dbZ vkrdoknh ?kVukvk dk lQy vukoj.k Hkh gvk g] fQj Hkh bl fcUnq ij yxkrkj lrdZ jguk gkxkA lkEinkf;d] tkfrxr l?k"k& tgk ij Hkh bl idkj ?kVuk,i gkrh g] ogk LFkkuh; iqfyl rRdky vko';d dk;okgh djrh gA bles 'kkfUr lefr] lEHkkUr 0;fDr;k dk Hkh lg;kx fy;k tkrk gA vlkekftd rRok dk fpfUgr dj mudk fo#) dBkj dk;okgh dh tkrh gA LFkkuh; uxj fudk; pquko& iz'k iqfyl }kjk pquko 'kkfUr i.k ,o lqjf{kr djkus grq =fV jfgr icU/k fd;s x;s gA Hk;eDr okrkoj.k cukus grq vijkf/k;k o vlkekftd rRok dk fpfUgr dj yxkrkj dk;okgh dh tk jgh gA iqfyl d vkpj.k o 0;ogkj e lq/kkj&_ iz'k{k.k o xf"B;k d ek/;e l lHkh iqfyltuk dk ckj&ckj mUgs bl vkj lonu'khy cuk;k tk jgk gA f'kdk;r lgh ik;s tkus ij mUgs nf.Mr Hkh fd;k tk jgk gA

xEHkhj vijk/kk dk jkduk& LFkkuh; iqfyl dk;okgh dj jgh gA

c<rs ;krk;kr dk i.k lpkyu&_;krk;kr iqfyl }kjk dk;okgh dh tk jgh gA lkFk e ;krk;kr iqfyl d fu;U=.k e of) o midj.kk d Ø; gr dk;okgh ipfyr g A ;krk;kr l/kkj d fy;s lMdk o vkojfcrk dk ln<+ j[kus d fy;s uxj fuxe] jktdh; fuek.k fuxe] lrq fuxe l leUo; LFkkfir dj dk;l djk;k tkrk gA turk dk Hkh ;krk;kr d fu;ek dk ikyu djus d fy;s mUgs HkkxhnkHkkfr tkx:r fd;k tk jgk gA egkdEHk dk ld'ky lEiUu djkuk& vkxkeh egkdEHk e yxHkx rhu djkM J)kyvk d vku dh lEHkkouk gA ftlds fy;s 0;kid iqfyl icU/k fd;k tk jgk gA ofj"B iqfyl v/kh{kd] dEHk eyk ,o vU; vf/kdkjh@dekpkjhx.k vyx l yxk;s tk jg gA J)kyvk dh lqfo/kk d fy;s vko';d icU/k fd;s tk jg g ftlls mudk jgu] Luku djus vkj xUr0; dk okil tkus gr fdlh idkj dh dkbZ vlfo/kk u gkA NkV&ekV fookn o ,u-lh-vkj-

dh Hkh Rofjr tkp dj LFkkuh; iqfyl }kjk dk;okgh dh tk jgh gA turk dk cgrj lqfo/kk iknr gk] blds fy;s flfVtu pkVj ykxw fd;k x;k gA

**9- D;k vki viu vf/kdkfj;k vkj dekpkfj;k d if'k{k.k ikB;de e dkbZ cnyko ;k tMko d i{k e g rkfd mud dk;&fu"iknu cgrj gk vkj ekuokf/kdkjk d ifr tkx:drk c<s **

mÙkj % iqfyl vf/kdkfj;k@dekpkfj;k dk vkjEHk e cfl d if'k{k.k ,o le;≤ ij vko';drkuqlkj lokdky e 0;kolkf;d n{krk c<kus gr if'k{k.k fn;s tkrs g] ftlesa ,Vh g;eu VfQd] cky U;k; 0;oLFkk] t-t-,DV] lkbcj dkbe d lEcU/k e if'k{k.k vkfn gA ekuokf/kdkj ,o iqfyl l lEcfU/kr if'k{k.k d fy;s vf/kdkjh fon'kk e tkrs g vkj if'k{k.k dk ykHk iz'k iqfyl dk ikIr gk jgk gA

**10- vkr e] ykd iqfyl i=dk vkid jkT; d lHkh Fkkuk e tuojh 2012 l yxkrkj Hkst h tk jgh gA blfy, vki viu v/khuLFkk [kk ldj Fkkuk Lrj d dekpkfj;k dk mud dke l lEcfU/kr D;k lans'k nuk pkgx **

mÙkj % m-i- iqfyl cy fo'o e lcls cMk iqfyl cy gA blds viuk bfrgkl jgk gA leLr iqfyltu l vi{kk g fd og vijkf/k;k d lkFk l[rh l is'k vk;s vkj ihfMrk] efgykvk] cPpk] cqtxk vkj chekj 0;fDr;k d lkFk lgkuHkfr iwod vPNk 0;ogkj djA ihfMr 0;fDr dh ij'kkuh /;kuiwod lqu yu l gh mldh vk/kh leL;k nj gk tkrh gA viuh M;Vh dk tul le>dj yxu] egur rFkk fu"i{kHkko l dk;l dj vkj turk d lkFk ln0;ogkj djA dk;l vkj vkpj.k fu"i{k rk gk gh] turk dk Hkh fu"i{k irhr gkuk pkfg,A iqfyl dk ekuoh; pgjk ;fn turk dk fn[kk;h nxk rk tulg;kx Lo;a gh iqfyl dk feyu yxxkA fcuk tu lg;kx d i tkr= e dkbZ Hkh 0;oLFkk lQy ugh gk ldrhA m-i- iqfyl u lHkh pukfr;k&nL;q leL;k] lkEinkf;drk] uDlyokn] lxfBr vijk/k dk lQyrk iwod lkeuk fd;k gA Hkfo"; e Hkh vku okyh pukfr;k dk leuk m-i- iqfyl i.k euk;kx ,o fu"Bk l djxhA